

## असाधारगा EXTRAORDINARY

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

**₹**1. 39

नह दिल्ली, बुधवार, जनवरी 24, 1990/माघ 4, 1911

No. 39] NEW DELHI, WEDNESDAY, JANUARY 24, 1990/MAGHA 4, 1911

इ.स. भाग में भिस्म पृष्ठ संख्या को जाती है जिससे कि यह अलग संक्रांसन के रूप में रक्षा जा सकें

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## विश मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

श्रादेण

नदं विस्त्री, 24 जनवरी, 1990

का. ग्रा. 7.4 (ग्र).— नस्कर भीर विदेशी सुत्रा छलसाबक (संपत्ति समयहरण) अधिनियम, 1976 (1976 का 13) की घारा 5 द्वारा प्रदक्त ग्राहित्यमें, का प्रयोग काले हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा वित्ता संज्ञालय (राजस्य विभाग) द्वारी जारी भारत सरकार की प्रश्चिसूचना का. था. 41 (ग्र) दिनांक 15-1-76, का. था. 840 (ग्र) दिनांक 30-12-1976 भीर का. था. 471(ग्र) दिनांक 28-7-1978 में भ्रीत भागी निम्नालिखान संगोबन करती है, यथा:—

- का. आ. स. 41(द्य) दिलांक 15-1-76 की सारणी में :~~
- (i) कथाक 1 के सामने, कल्लम 3 में उल्लिखिन प्रविध्टि के स्थान पर निम्नलिखा प्रविध्टि प्रतिस्थापित को जाएगी. यथा "तस्कर भीर थिदली मुद्रा छन्तसावत (सगाण समगहरण) प्रविनियम, 1976 (1976 का 13) की भारा 2 की उपधार (2) में विनिध्दिष्ट में सभी व्यक्ति और जो महाराष्ट्र.

राज्य मे रहे रहे व्यक्तियों भ्रयवा व्यक्तियों की श्रेणियों के ऊपर सेताधिकार रखने वाले प्रायकर प्रमुक्तिय आयुक्त तथा भ्रायकर आयुक्त (केन्द्रीय) के श्रीवाधिकार में कर निर्धारित होते हों भ्रयवा जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य हो, भ्रयवा जो उन्त क्षेत्राधिकार के श्रीवर्गत सामान्य एप से रहे रहे हों।"

(ii) ऋभांक 2 के सामने कालम 3 में उल्लिखित प्रकिष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रकिटि प्रतिस्थापित की जाएगी, यथा.---

"तस्कर घोण वि मु. छलसाधक (संपत्ति समपहरण) आधा., 1976 (1976 का 13) की धारा 2 की उपवारा (2) में विनिद्दिष्ट वै सभी व्यक्ति घीर जो हरियाणा, मध्य प्रवेश, पंजाब, राजस्थान, जस्मू तथा कश्मीर, हिमाचल प्रवेश, उत्तर प्रदेश के राज्यों भीर दिल्लं। संघ राज्य क्षेत्र भीर चंडीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र में रह रहे व्यक्तियों प्रवचा व्यक्तियों की श्रीणमों के जपर क्षेत्र में रह रहे व्यक्तियों प्रवचा व्यक्तियों की श्रीणमों के जपर क्षेत्र धिकार रखते वाले प्रायकर थापुक्त तथा धामकर प्रायक्ति (केन्द्रीय) के भीलाधिकार में कर निर्धाणित होते हों प्रयचा जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य हों, अथवा जा उत्तर क्षेत्राधिकार के श्रंतर्गन सामान्य स्था से रह रहे हों। ए

(iii) क्रमांक 3 के मामने कालम 3 मे চল্লিखन प्रविष्टि के स्थान-पर निम्निलिखन प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, यथा---

"तम्कर और थि. मृ छत्रनाधक (सपत्ति समपहरण) प्रथि 1976 (1976 का 13) की धारा 2 की उत्तधारा (2) में वितिष्टि वे मभी व्यक्ति और ओ प्रान्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और क्रीमलताइ, गीमा तथा पाडिचेरी लक्षद्वीप एवं वमन प्रीर दीव सच राज्य क्षेत्रों में रह रहे व्यक्तियों प्रथवा व्यक्तिया की श्रीणयों के ऊपर क्षेत्राजिकार रखने वाले प्रायकर प्रायुक्त तथा आयकर प्रायुक्त (केन्द्रीय) के क्षेत्राधिकार में कर-निर्धारिक होते ही प्रथया जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य हों, प्रथया जो उक्त क्षेत्राधिकार के अत्रीत सामान्य रूप से पहरह हों।"

2. 30 विसम्बर, 1976 के का आ यां. 840(ध्र) की सारणी में, कालम 2 में उन्लिखित प्रविध्टि के स्थान पर निस्नलिखित प्रविध्टि प्रसिस्थापित की जाएगी. यथाः---

"तस्कर श्रीर बि. मृ. छलनावक (संपत्ति सम्पहरण) श्रीय , 1976 (1976 का 13) की घारा 2 की उपवारा (2) में विनिद्धित में सभी व्यक्ति श्रीर जो श्रमम, बिहार, उदीमा, पिचम बंगाल, मिकिशम, नागालैंड, मिजोरम, श्रमणानन प्रदेश, मेघालय, बिपुरा, मिणपुर के राज्यों, श्रोडमान तथा निकीया द्वीप समृही का नंघ राज्य श्रीव में रह रहे व्यक्तियों श्रथवा व्यक्तिसमों की श्रीणयों के ज्यार क्षेत्राधिकार रखने वाले श्रीयकर श्रीयुक्त तथा श्रीयकर श्रीयुक्त (केंद्धाय) के श्रीश्राधिकार में कर निर्धारित होते हो स्थवा जो कर-निर्धारण किए माने योग्य हों, अथवा भी उक्त श्रीवाधिकार के श्रवारीक सामाल्य हप से रह रहे हों।"

3. दिनोक 28 भूलाई, 1978 के का आ से, 471 (अ) की सारणी में, कालम 2 में अल्लोबन प्रावरोट के स्थान पर निम्नलिखित प्रविध्ट प्रतिस्थापित की आएगी, यथा--

"तस्कर श्रीर वि सु. छन्यावक (सर्पास समप्रहरण) क्रांथ.
1976 (1976 का 13) की प्रारा 2 की उपवार (2)
में विनिदिष्ट में सर्ग, क्यपित श्रीर को गुजरात राज्य और
दावर एवं नागर हवेती तेर राज्य क्षेत्रों में रह रहे क्यिक्यों
अथवा व्यक्तियों की श्रीणयों के उपर क्षेत्राधितार रखने वाले आधकर आयुक्त तथा झायकर खायुक्त (केन्द्रांय) के क्षेत्रांवकार में यहरनिर्धारित हाने हो अथवा जो कर-निर्धारण किए जाने योग्य
हो, स्थ्या जो अक्षा कीवाधिकार के श्रेतर्गत सामाच्य रूप से

[स. ४55७ (फा. स. 229/28/४9--%त्यकर (जाच-III)] ऋर्चना राजन, उप-स्विक

## MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

## **ORDER**

New Delhi, the 24th January, 1990

S O. 74 (E).—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forefeiture of Property) Act,

.1976 (13 of 1976), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) S. O. 41 (E), dated the 15th January, 1976, S. O. 840 (E), dated the 30th December, 1976 and S. O. 471 (E), dated the 28th July, 1978, namely:—

\_\_\_\_\_

- 1. In the Table of the S.O. No. 41 (E), dated the 15th January, 1976 :—
  - (i) for the entry in column 3, against serial No. 1, the following entry shall be substituted, namely:—
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinatily reside within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Maharashtra."
  - (ii) for the entry in column 3, against scrial No. 2, the following entry shall be substituted, namely:—
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside within the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the States of Haryana, Madhya Pradesh, Punjab, Rajashan, Jammu and Kashmir, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Union Territory of Delhi, and Union territory of Chandigarh"
  - (iii) for the entry in column 3, against serial No. 3, the following entry shall be substituted, namely:—-
    - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside

within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Andhra Pradesh, Karnataka, Kerala and Tamil Nadu, Goa and Union territories of Pondicherry, Lakshadweep and Daman and Diu."

- 2. In the Table of S. O. No. 840 (E), dated the 30th December, 1976, for the entry in column 2, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976) and who are assessed or are assessable to Income-tax in, or who ordinarily reside within, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax and Commissioners of Income-tax (Central) having jurisdiction over persons or classess of persons residing in the States of Assan,

Bihar, Orissa, West Bengal, Sikkim, Nagaland, Mizoram, Arunachal Pradesh, Meghalaya, Tripura, Manipur, Union Territory of Andaman and Nicobar Islands."

- 3. In the Table of S. O. No. 471 (E), dated the 28th July, 1978, for the entry in column 2, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "All persons specified in sub-section (2) of section 2 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976), and who are assessed or are assessable to Incometax in, or who ordinarily reside within the jurisdiction of the Commissioners of Incometax (Central) having jurisdiction over persons or classes of persons residing in the State of Gujarat and Union Territory of Dadra and Nagar Haveli."

[No. 8553|F. No. 299|28|89-IT (INV. III)] ARCHANA RANJAN, Dy. Secy.